नेचुरल रबर में गिरावट से टायर उद्योग को राहत

बिजनेस भास्कर ◆ नई दिल्ली

नेचुरल रबर की कीमतों में महीने भर में 9.4 फीसदी की गिरावट आने से टायर उद्योग को राहत मिली है। कोट्टायम में गुरुवार को नेचुरल रबर के दाम घटकर 188-191 रुपये प्रति किलो रह गए। जबकि अक्टूबर महीने में नेचुरल रबर के घरेलू उत्पादन में पांच फीसदी की बढ़ोतरी हुई है तथा इस दौरान खपत पिछले साल के लगभग बराबर ही हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले एक महीने में मेचुरल रबर की कीमतों में 13.2 फीसदी का मंदा आया है। ऐसे में घरेलू बाजार में इसकी मौजूदा कीमतों में और भी मंदे की संभावना है।

हरिसंस मलयालम लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज कपूर ने बताया कि घरेलू बाजार में नेचुरल रबर में टायर उद्योग की मांग कमजोर है जबकि उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है। अक्टूबर महीने में नेचुरल रबर का उत्पादन बढ़कर 89,300 टन का हुआ है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 82,400 टन का उत्पादन हुआ था। ऑटोमेटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) के अनुसार अक्टूबर महीने में कार बिक्री में 1.05 फीसदी की कमी आई है।

ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के चेयरमैन एम एल गुप्ता ने बताया कि नेचुरल रबर के उत्पादन का पीक सीजन चल रहा है लेकिन इसके मुकाबले मांग कमजोर है। उधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दाम घट रहे हैं। 25 अक्टूबर को बैंकाक में नेचुरल रबर का भाव 195-196 रुपये प्रति किलो था जबकि गुरुवार को घटकर 169-170 रुपये प्रति किलो रह गया। ऐसे में घरेलू बाजार में मौजूदा कीमतों में और भी गिरावट की संभावना है। भारतीय रबर बोर्ड के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2011-12 की पहले सात महीनों अप्रैल से अक्टूबर के दौरान नेचुरल रबर का उत्पादन बढ़कर 4.80 लाख टन का हुआ है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.57 लाख टन का उत्पादन हुआ है। अप्रैल से अक्टूबर के दौरान नेचुरल रबर की खपत 5.51 लाख टन की हुई है जबकि पिछले साल की समान अवधि में भी 5.50 लाख टन की ही खपत हुई थी। 31 अक्टूबर को घरेलू बाजार में नेचुरल रबर का कुल स्टॉक 247,000 टन का है जबकि पिछले साल एक अक्टूबर को 253,877 टन का स्टॉक था।

रबर मर्चेंट एसोसिएशन के सचिव अशोक खुराना ने बताया कि 24 अक्टूबर को कोट्टायम में नेचुरल रबर का भाव 209-211 रुपये प्रति किलो था जबकि गुरुवार को दाम घटकर 188-191 रुपये प्रति किलो रह गया। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल महीने में इसके दाम बढ़कर उच्चतम स्तर 238-240 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए थे उसके बाद से लगातार दाम घटे हैं।

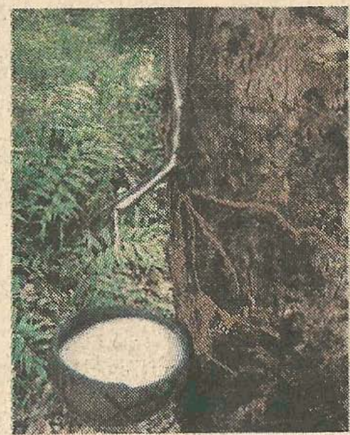

और गिरेगी कीमत

चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में नेचुरल रबर का उत्पादन बढ़कर 4.80 लाख टन का हुआ है जबकि पिछले साल की समान अवधि में नेचुरल रबर का उत्पादन 4.57 लाख टन का रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले एक महीने में नेचुरल रबर की कीमतों में 13.2 फीसदी की गिरावट रही। ऐसे में घरेलू बाजार में इसकी मौजूदा कीमतों में और भी गिरावट आने की संभावना है।